अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –प्रथम:वैकल्पिक(संवैधानिक विधि)

न्यायिक प्रक्रिया

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) **उत्तीर्णांक–40**

इकाई–I

न्यायिक प्रक्रिया की प्रकृति

1. न्यायिक प्रक्रिया सामाजिक परिवर्तन का एक साधन
2. न्यायिक प्रक्रिया एवम् विधि में सृजनात्मकता
3. विधिक परिवर्तन तथा स्थायित्व
4. विधिक तर्क द्वारा विधिक विकास तथा विधि की सृजनात्मकता

इकाई–II

संवैधानिक न्याय निर्णयन

1. न्यायिक पुनर्विलोकन की अवधारणा
2. संवैधानिक विनिश्चयों में न्यायिक भूमिका के विभिन्न सिद्धांत
3. नीति निर्धारण और संवैधानिक न्याय निर्णयन में सृजनात्मकता
4. न्यायिक सक्रियता
5. न्यायिक प्रक्रिया में न्यायपालिका का उत्तरदायित्व

इकाई–III

भारत में न्यायिक प्रक्रिया

1. न्यायाधीशों की भूमिका तथा न्यायिक पुनर्विलोकन की अवधारणा पर भारतीय दृष्टिकोण
2. भारतीय सामाजिक पृष्ठभूमि
3. न्यायाधीशों की भूमिका
   - (क) संघवाद एवम् न्यायिक पुनर्विलोकन
   - (ख) संविधान मौलिक अधिकारों एवम् नीति निदेशक तत्वों के परिपालन हेतु अधिनियमों, निर्देशों एवम् आदेशों का निर्वचन
   - (ग) निवारक निरोध
4. न्यायपालिका की स्वतंत्रता एवम् राजनैतिक हस्तक्षेप
5. न्यायिक सृजनात्मकता एवम् न्यायिक सक्रियता
6. सर्वोच्च न्यायालय–तकनीक तथा उपकरण
7. संस्थागत दायित्व

इकाई–IV

न्याय और विधि (धर्म) की संकल्पना

1. भारतीय विचारधारा में विधि या धर्म की संकल्पना
2. भारतीय विचारधारा में धर्म आधारित विधिक व्यवस्था
3. पश्चिमी विचारधारा में न्याय के विभिन्न सिद्धांत
4. बेंथम का उपयोगितावादी सिद्धांत, राल्स की न्याय की अवधारणा

Scanned by CamScanner

इकाई–V **विधि और न्याय के मध्य संबंध**

1. विधि और न्याय से संबंधित सिद्धांत
2. समता मूलक सिद्धांत
3. न्याय में स्वतंत्रता का सिद्धांत
4. निर्भरता का सिद्धांत
5. उच्चतम न्यायालय का वाद विश्लेषण जिनमें न्याय के सिद्धांतों की न्यायिक प्रक्रिया परिलक्षित होती है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. वर्मा, श्यामलाल : न्यायिक प्रक्रिया : इण्डिया पब्लिशिंग कम्पनी, इंदौर
2. त्रिपाठी : टी.पी. : विधिशास्त्र के सिद्धांत ; सेंट्रल लॉ एजेंसी, इलाहाबाद
3. प्रसाद, अनिरूद्ध : विधिशास्त्र के सिद्धांत
4. त्रिपाठी : बी.एन.मणि : विधिशास्त्र
5. सिंह, इंद्रजीत : विधिशास्त्र के सिद्धांत
6. प्रसाद, अनिरूद्ध : संविधियों का निर्वचन
7. जूलियस स्टोन, द प्रोविंस एंड फक्शन ऑफ लॉ, पार्ट – II, यूनिवर्सल, नई दिल्ली
8. कॉरडोजो, द नेचर ऑफ जुडिसियल प्रोसेस (1995), यूनिवर्सल, नई दिल्ली
9. हेनरी जे. अब्राहम, द जुडिसियल प्रोसेस (1998), ऑक्सफोर्ड
10. डब्ल्यू, फ्रॉयडमेन, लीगल थ्योरी (1960)
11. बोडेनमायर, ज्यूरिसप्रूडेंस – द फिलोस्फी एंड मेथड ऑफ लॉ (1997) यूनिवर्सल, नई दिल्ली

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र – द्वितीयःवैकल्पिक(संवैधानिक विधि)

मूल अधिकार एवं नीति निर्देशक तत्व

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) **उत्तीर्णांक–40**

इकाई– I **मूल अधिकारों की संकल्पना**

1. **मूल अधिकारों का उद्भव एवं विकास**
   - I. अमेरिका
   - II. इंग्लैण्ड
   - III. भारत
2. मूल अधिकारों की प्रकृति एवं प्रवर्तनीयता
3. मूल अधिकार अत्यांन्तिक अधिकार नहीं है
4. मूल अधिकार राज्य के विरूद्ध उपलब्ध अधिकार
5.. मूल अधिकारों का वर्गीकरण
6. मूल अधिकारों का निलंबन

इकाई– II मूल अधिकारों का प्रवर्तन

1. राज्य की परिभाषा
2. स्थानीय प्राधिकारी
3. अन्य प्राधिकारी
4. राज्य शब्द की विस्तृत विवेचना विभिन्न न्यायिक निर्णयों के माध्यम से।
5. अनुच्छेद 13 विधि का अर्थ एवं परिभाषा
   - I. पृथक्करणीयता का सिद्धांत
   - II. आच्छादन एवं ग्रहण का सिद्धांत
   - III. संविधान पूर्व विधियॉ एवं संविधानोत्तर विधियॉ
   - IV. अभित्याजन का सिद्धांत एवं मूल अधिकार

इकाई– III **मूल अधिकारों का वर्गीकरण**

- I. समता का अधिकार (अनुच्छेद 14–18)
- II. स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19–22)
- III. शोषण के विरूद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23–24)
- IV. धार्मिक स्वंतत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25–28)
- V. संस्कृति एवं शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 29–30)
- VI. संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32)
  1. लोकहितवाद
  2. न्यायिक सक्रियता
  3. संबंधित प्रमुखवाद

Scanned by CamScanner

इकाई–IV राज्य के नीति निदेशक तत्व

1. नीति निदेशक तत्व
2. नीति निदेशक तत्व का वर्गीकरण
3. नीति निदेशक तत्वों की अप्रर्वतनीयता
4. नीति निदेशक तत्व का महत्व

इकाई–V नीति निदेशक तत्व एवं मौलिक अधिकारों के सम्बंध

1. कल्याणकारी राज्य की अवधारणा
2. नीति निदेशक तत्व एवं मौलिक अधिकारों में अंतर
3. मूल अधिकारों की नीति निदेशक तत्वों पर सर्वोच्ता
4. नीति निदेशक तत्वों की प्रर्वतनीयता में न्यायपालिका की भूमिका

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –तृतीयः वैकल्पिक(संवैधानिक विधि)

मीडिया एवम् कानून

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) उत्तीर्णांक–40

इकाई–I मास मीडिया

1 मीडिया का अर्थ, विशेषताएँ,
2 मीडिया का इतिहास
3 भारत में प्रेस का उद्‌भव
4 मीडिया का वर्गीकरण
   (क) प्रिंट मीडिया :– किताबें, पत्रिका, न्यूजपेपर
   (ख) फिल्म
   (ग) रेडियों
   (घ) टी.वी.
   (ड) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
5 समाचार संकलन एवं संपादन
6 मीडिया का समाज पर प्रभाव
7 मीडिया एवं आचार संहिता

इकाई–II भारतीय संविधान एवम् प्रेस की स्वतंत्रता

1 प्रेस–वाक् एवम् अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
2 अनुच्छेद 19(1)(क) एवम् प्रेस की स्वतंत्रता
3 प्रेस की स्वतंत्रता पर निर्बन्धन के आधार – अनुच्छेद 19(2)
   (क) मानहानि
   (ख) न्यायालय अवमानना
   (ग) उद्दीपन
   (घ) भारत की प्रभुता एवम् अखण्डता
4 प्रेस की स्वतंत्रता एवम् पूर्व अवरोध
5 समाचार पत्र नियंत्रण आदेश
6 विज्ञापन एवम् व्यवसायिक विज्ञापन
7 प्रेस एवम् चल–चित्रण
8 जानने का अधिकार एवम् प्रेस

इकाई–III प्रेस एवं सूचना का अधिकार

1 अनुच्छेद 19 (1)(a) वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
2 प्रेस की स्वंतत्रता एवं सूचना का अधिकार
3 अनुच्छेद 21 एवं सूचना का अधिकार
4 अनुच्छेद 32 एवं सूचना का अधिकार
5 जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951

Scanned by CamScanner

इकाई–IV जनसंचार एवम् पत्रकारिता

1 जनसंचार का अर्थ, परिभाषा
   (क) जनसंचार माध्यम
   (ख) जनसंचार एवम् जनसंपर्क
2 पत्रकारिता
   (क) अर्थ एवम् परिभाषा
   (ख) पत्रकारिता और समाज
3 राष्ट्रीय चेतना में पत्रकारिता का योगदान

इकाई– V प्रेस से संबंधित विभिन्न अधिनियमों का अध्ययन (संबंधित धाराएँ)

1 भारतीय टेलीग्राफ एक्ट, 1885
2 न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971
3 प्राइज कॉम्पटीशन एक्ट, 1955
4 ड्रग एवम् मेजिक रेमीडीस एक्ट, 1954
5 महिला अश्लील चित्रण अधिनियम, 1986 (प्रतिषेध)
6 दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973
7 सिनेमेटोग्राफ एक्ट, 1952

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. जैन ; आंचल : जनसंचार एवम् पत्रकारिता ; रवि पब्लिकेशन मेरठ (उ.प्र.)
2. कुमार ; पंकज : प्रेस कानून एवम् संविधान : डायमंड बुक्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. रचना भोला, यामिनी : पत्र और पत्रकारिता ; डायमंड बुक्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली
4. पाण्डेय ; डॉ. जय नारायण : भारत का संविधान ; सेंट्रल लॉ एजेंसी, इलाहाबाद
5. मायने ; डॉ. एस.आर. : मीडिया लॉ : एशिया लॉ हाउस हैदराबाद
6. शेखर हिंमांशु ; मीडिया का बदलता चरित्र ; डायमंड बुक्स पब्लिकेशन ; नई दिल्ली
7. कुमार पंकज ; समाचार पत्र प्रबंधन एवम् प्रसार डायमंड बुक्स पब्लिकेशन ; नई दिल्ली

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –चतुर्थ:वैकल्पिक (संवैधानिक विधि)

पर्यावरण विधि एवम् त्रासदी प्रबंधन

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) **उत्तीर्णांक–40**

इकाई– I

प्रस्तावना

1. पर्यावरण का अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा
2. पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ, एवं परिभाषा
3. पर्यावरण प्रदूषण के कारक
4. पर्यावरण संबंधी सिद्धांत
5. पर्यावरण प्रदूषण एवम् स्वास्थ्य
6. पर्यावरण प्रदूषण तथा मानवाधिकार

इकाई– II

पर्यावरण प्रदूषण अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

1. स्टॉकहोम घोषणा – मानव एवम् पर्यावरण पर स्टॉकहोम घोषणा, 1972
2. रियो घोषणा – पर्यावरण एवम् विकास पर रियो घोषणा, 1992
3. कायटो प्रोटोकॉल –वातावरण परिवर्तन पर कायटो प्रोटोकॉल – 1997
4. जैवकीय विविधता पर अभिसमय, 1992

इकाई– III

पर्यावरण संरक्षण से संबंधित भारतीय विधियाँ

1. संविधान एवम् पर्यावरण
   - (क) मौलिक अधिकार एवम् पर्यावरण संरक्षण
   - (ख) नीति निर्देशक तत्व एवम् पर्यावरण संरक्षण
   - (ग) मूल कर्तव्य एवम् पर्यावरण संरक्षण
2. अपकृत्य विधि एवम् पर्यावरण
   - (क) उपताप
   - (ख) उपेक्षा
   - (ग) अतिचार
3. आपराधिक विधि एवम् पर्यावरण
   - (क) भारतीय दण्डसंहिता, 1960 (उपताप से संबंधित धारायें)
   - (ख) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973

इकाई– IV

पर्यावरण संरक्षण में न्यायपालिका की भूमिका

1. जल प्रदूषण
2. वायु प्रदूषण
3. ध्वनि प्रदूषण
4. हरित प्राधिकरण (ग्रीन ट्रिब्यूनल)

Scanned by CamScanner

इकाई–V **पर्यावरण एवम् त्रासदी प्रबंधन (वाद अध्ययन) एवं संस्थाओं की भूमिका**

1. त्रासदी का अर्थ
2. त्रासदी प्रबंधन
3. भोपाल गैस त्रासदी
4. ओलियम गैस त्रासदी
5. उत्तराखंड त्रासदी
6. जम्मू–कश्मीर त्रासदी
7. त्रासदी प्रबन्धन संस्थाएँ

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. उपाध्याय : जय जय राम : पर्यावरण विधि : सेंट्रल लॉ एजेंसी, इलाहाबाद
2. प्रसाद अनिरूद्ध : पर्यावरण एवं पर्यावरणीय संरक्षण विधि की रूपरेखा

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, एवं सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –प्रथमःवैकल्पिक(आपराधिक विधि)

महिलाओं के अधिकार एवं संरक्षण

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) **उत्तीर्णांक–40**

इकाई–I

अन्तर्राष्ट्रीय विधि के अंतर्गत महिलाओं के अधिकार

1 संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अंतर्गत महिलाओं के अधिकार

2 महिलाओं के अधिकारों को प्रावधानित करने वाले अभिसमय

(क) महिलाओं की राष्ट्रीयता–मान्टी वीडियों अभिसमय, 1933

(ख) अवैध व्यापार एवम् वेश्यावृत्ति पर अभिसमय, 1949

(ग) समान कार्य के लिए समान वेतन अभिसमय, 1951

(घ) महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों पर अभिसमय, 1952

(ड) विवाहित महिलाओं की राष्ट्रीयता पर अभिसमय, 1957

(च) महिलाओं के विरूद्ध सभी प्रकार के भेदभाव की समाप्ति पर अभिसमय, 1979

इकाई–II

महिलाओं से संबंधित अंतराष्ट्रीय घोषणएँ एवं सम्मेलन

1 महिलाओं के अधिकारों पर विभिन्न घोषणाएँ

(क) मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, 1948

(ख) महिलाओं के विरूद्ध भेदभाव के समापन की उद्घोषणा, 1967

2 महिलाओं अधिकारों पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदाएँ

(क) सिविल एवम् राजनैतिक अधिकारों पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदाएँ, 1966

(ख) आर्थिक, सामाजिक एवम् सांस्कृतिक अधिकारों की अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदाएँ,1966

3 महिलाओं के अधिकारों पर विश्व सम्मेलन

(क) तेहरान अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1968

(ख) महिलाओं पर प्रथम विश्व सम्मेलन, मेक्सिको, 1975

(ग) द्वितीय विश्व सम्मेलन, कोपेन हेगन, 1980

(घ) तृतीय विश्व सम्मेलन, नेरौबी, 1985

(ड) मानव अधिकारों पर विश्व सम्मेलन, वियना, 1993

(च) चतुर्थ विश्व सम्मेलन, बीजिंग, 1995

v.s

v.s

Scanned by CamScanner

इकाई–III भारत का संविधान एवं महिला अधिकार

1 महिलाओं के मौलिक अधिकार
- (क) समता का अधिकार (अनुच्छेद 14,15(3))
- (ख) स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 21)
  - (i) महिलाओं का यौन उत्पीड़न
  - (ii) एकांतता का अधिकार
  - (iii) बलात्कार से पीड़ित महिला को अंतरिम प्रतिकर का अधिकार
  - (iv) श्रम जीवी महिलाओं का उत्पीड़न से संरक्षण

2 राज्य के नीतिनिर्देशक तत्व एवम् महिलाएँ
- (क) सामाजिक, आर्थिक न्याय (अनुच्छेद 39 (क)(घ))
- (ख) सामाजिक सुरक्षा (अनुच्छेद 42)

इकाई–IV अपराध विधि के अंतर्गत महिलाओं से संबंधित प्रावधान

1 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत महिलाओं के अधिकार
- (क) शिष्टाचार एवम् सदाचार – धारा 292, 294
- (ख) शरीर के विरूद्ध अपराध – धारा 354, 504, 509, 372–373, 375, 376(376A-D)
- (ग) विवाह के विरूद्व अपराध – धारा 494, 497, 498–A

2 दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973, के अंतर्गत महिलाओं के अधिकार
- (क) गिरफ्तारी से संरक्षण – धारा 46, 47, 51
- (ख) तलाशी से संरक्षण – धारा 100
- (ग) भरणपोषण का अधिकार – धारा 125–128
- (घ) विधिक सहायता पाने का अधिकार – धारा 304
- (ड) गर्भवती स्त्री के मृत्युदण्ड का मुल्तवी किया जाना – धारा 416
- (च) जमानत संबंधी अधिकार – धारा 437

3 साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अंतर्गत महिलाओं सं संबंधित प्रावधान
- (क) दहेज मृत्यु – धारा 113– A, 113– B

ाई– V अन्य विधियों में महिलाओं के अधिकार (केवल संबंधित प्रावधान)

1 पारिवारिक विधि के अंर्तगत महिलाओं के अधिकार
- (क) हिंदु विधि के अंतर्गत
- (ख) मुस्लिम विधि के अंतर्गत

2. महिलाओं के अधिकार एवं संरक्षण संबंधी अधिनियम
- (क) अनैतिक व्यापार(निवारण) अधिनियम, 1956
- (ख) गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम, 1971
- (ग) महिलाओं का अशिष्ट रूपण (निषेध) अधिनियम, 1986
- (घ) महिलाओं के जन्मपूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994
- (ड़) घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005

Scanned by CamScanner

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. गुप्ता, डॉ. एच.पी. : नारी एवम् बाल विधि, इलाहाबाद लॉ एजेंसी पब्लिकेशन, इलाहाबाद
2. सक्सेना, शोभा : महिलाओं के प्रति अत्याचार और संरक्षक कानून, सेन्ट्रल लॉ एजेन्सी, इलाहाबाद
3. डॉ. अंजनी कांत : महिलाओं एवम् बच्चों से संबंधित कानून, सेन्ट्रल लॉ पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद
4. दास, पी.के. : हिंदू उत्तराधिकार एवम् महिलाओं के साम्पत्तिक अधिकार, यूनिवर्सल लॉ पब्लिकेशन, नई दिल्ली
5. त्रिपाठी, एस.सी. : महिला एवम् आपराधिक विधि सेन्ट्रल लॉ पब्लिकेशन, इलाहाबाद
6. जड़िया, श्रीमति प्रभावती : हिंदू नारी, कार्य शीलता के बदलते आयाम, आकांक्षा पब्लिकेशन, बीना (म.प्र.) 2000
7. बावेल, बसंतीलाल, महिला एवम् बाल कानून, सेन्ट्रल लॉ एजेंसी, इलाहाबाद (2003)
8. मेहता, चेतन सिंह : महिला एवम् कानून, आशीष पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
9. राव, डॉ ममता : लॉ रिलेटिंग टू वूमन एंड चिल्ड्रन, ईस्टन बुक कं., लखनऊ
10. शुक्ला, उमा : भारतीय नारी अस्मिता की पहचान लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. श्रीवास्तव, श्रीमति सुधारानी : भारत में महिलाओं की वैधानिक स्थिति, कॉमन वेल्थ पब्लिशर्स, नई दिल्ली

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –द्वितीयःवैकल्पिक(आपराधिक विधि)

किशोर अपचारिता

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) **उत्तीर्णांक–40**

इकाई– I (अ) मूल अवधारणा

1. भारतीय संविधान एवं दण्ड विधि में "बालक" की अवधारणा
2. अपचारी किशोर
3. उपेक्षित किशोर
4. किशोर अपचारिता के आवश्यक तत्व
   - (क) पारिवारिक विघटन
   - (ख) जैविक तथा शारीरिक कारण
   - (ग) आर्थिक दबाव
   - (घ) राजनैतिक दबाव (सामन्त समूह) प्रभाव
   - (ड) गैंग संस्कृति
   - (च) वर्ग विभाजन

इकाई– II विधायी प्रावधान

1. भारत में औपनिवेशिक काल के दौरान आपराधिक न्याया प्रशासन
2. विभिन्न राज्यों में किशोर अपचारिता संबंधी विधि
3. किशोर न्याय (बालकों के देख–भाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015
   - (क) संवैधानिक दृष्टिकोण
   - (ख) "उपेक्षित बालक" एवं "अपचारी किशोर" के बीच अंतर
   - (ग) सक्षम प्राधिकारी
   - (घ) किशोरों के प्रोन्नयन के उपाय
   - (ड) अधिनियम के अंतर्गत सरकार की शक्तियॉं
   - (च) अधिनियम के अंतर्गत सामूदायिक भागीदारी

इकाई– III किशोर अपचारिता – भारत के संदर्भ में

1. लिंग–अनुपात एवं किशोर
2. उपेक्षित – गरीबी रेखा से नीचे, शारीरिक, मानसिक, विक्षिप्त एवं अन्य
3. श्रमिक
4. संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में बालश्रम
5. अपचारिता
6. मादक व्यसनी

Scanned by CamScanner

7. पीड़ित
   (क) हिंसा से पीड़ित बच्चे
   (ख) आपराधिक गतिविधियों से पीड़ित
   (ग) बाल अधिकार एवं पुलिस

इकाई– IV **न्यायिक योगदान**

1. न्यायालय की भूमिका
2. विधि व्यवसायिकों की भूमिका
3. समाज की भूमिका
4. प्रमुख न्यायिक निर्णय

इकाई–V **निवारण के उपाय**

1. बाल अधिकारों की घोषणा
2. राज्य कल्याणकारी कार्यक्रम
3. अनिवार्य शिक्षा
4. किशोर अपचारिता के निवारण में समाज के विभिन्न वर्गो की भूमिका

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र –तृतीयःवैकल्पिक(आपराधिक विधि)
विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग विचलन
3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) उत्तीर्णांक–40

इकाई– I वर्ग विचलन की अवधारणा

1 विचलन का अर्थ एवं परिभाषा

2 विचलन के प्रकार
(क) कार्यालयीन विचलन
(ख) व्यवसायिक विचलन
(ग) पुलिस विचलन

3. विचलन के रूढ़िगत रूप –
(क) कार्यालयीन विचलन (विधायक, जज एवं नौकरशाहों द्वारा विचलन)
(ख) व्यवसायिक विचलन : पत्रकार, शिक्षक, चिकित्सक, वकील, इंजीनियर, भवन निर्माता, प्रकाशक
(ग) व्यापार संघों का विचलन (शिक्षक, वकील, शहरी सम्पत्ति धारक)
(घ) जमींदारी प्रथा विचलन (श्रेणी या जाति आधारित विचलन)
(ड) पुलिस विचलन
(च) . चुनावी प्रक्रिया पर विचलन (रैगिंग, बूथों को लूटना, फर्जी वोटिंग, भ्रष्ट आचरण)
(छ). सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक शक्तिशाली लोगों द्वारा लिंग आधारित छेड़छाड़

इकाई– II श्वेतपोश अपराध

1. भारतीय परिपेक्ष्य में श्वेतपोश अपराधों की अवधारणा
2. श्वेतपोश अपराधों का वर्गीकरण
3 श्वेतपोश अपराधों में वृद्धि के कारण
4 सामाजिक – आर्थिक अपराधों पर न्यायियक नियंत्रण

इकाई– III **कार्यालयीन विचलन**

1. कार्यालयीन विचलन की अवधारणा
(क) प्रशसनिक अधिकारियों द्वारा विचलन
(ख) न्यायधीशों द्वारा विचलन
(ग) एल.आई.सी. मून्दरा मामले पर छागला आयोग की रिपोर्ट
(घ) अन्तुले प्रकरण

Scanned by CamScanner

2. **पुलिस विचलन**

1. पुलिस विचलन की अवधारणा
2. पुलिस विचलन के प्रकार
   1. थर्ड डिग्री
   2. मुठभेड़ हत्याएँ
   3. पुलिस अत्याचार
   4. लिंग आधारित अत्याचार
3. पुलिस विचलन पर नियंत्रण
4. भारत में पुलिस की शक्तियों पर विधिक नियंत्रण की संरचना

इकाई– IV **व्यवसायिक विचलन**

1. विधिक वर्ग द्वारा विचलन
2. चिकित्सीय वर्ग द्वारा विचलन
3. वर्ग विचलन पर नियंत्रण

इकाई–V **विशेषाधिकार प्राप्त वर्गो के विचलन पर विधायी नियंत्रण**

1. ओम्बडसमेन (लोकपाल)
2. लोकायुक्त
3. सर्तकता आयोग
4. लोक लेखा समिति
5. जाँच आयोग
6. भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –चतुर्थःवैकल्पिक(आपराधिक विधि)

तुलनात्मक आपराधिक विधि

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) **उत्तीर्णांक–40**

नोट :– **प्रशनपत्र का उद्देश्य भारतीय आपराधिक विधि का फ्रांस एंव इंग्लैंड की आपराधिक विधि से तुलानात्मक अध्ययन एंव विश्लेषण है।**

इकाई– I — न्यायालयों का गठन तथा अभियोजन एजेंसी

1. आपराधिक न्यायालयो का वर्गीकरण एंव क्षेत्राधिकार
2. भारत में न्यायपंचायत
3. जनजातीय क्षेत्रों में पंचायत
4. अपराधियों के अभियोजन के लिए अभियोजन ऐंजेंसी का गठन
5. अभियोजन एवं पुलिस
6. अभियोजन की वापसी

इकाई– II — विचारण पूर्व प्रक्रिया

1. गिरफ्तारी एवं अपराधियों से पूछताछ
2. अभियुक्त के अधिकार
3. कथनों का साक्ष्यिक महत्व/जब्त वस्तुएँ/पुलिस द्वारा एकत्रण
4. परामर्श का अधिकार
5. अन्वेषण में अभियोजक एवं न्यायिक अधिकारी की भूमिका

इकाई– III — विचारण प्रक्रिया

1. साक्ष्य के ग्राहयता के विभिन्न सिंद्वात
2. ग्राह्य और अग्राह्य साक्ष्य
3. साक्ष्य की सुसंगत्ता
4. विशेषज्ञ साक्ष्य
5. विचारण (सत्र विचारण, वारंट विचारण, समन विचारण)
6. अपील
7. जमानत
8. अभिवाक सौदेबाजी

इकाई– IV — सुधार एवं उत्तर रक्षण कार्यक्रम

1. अपराधियों का संस्थागत सुधार
2. सामान्य तुलना– उत्तर रक्षण कार्यक्रम –भारत और फ्रांस
3. भारत में सुधार कार्यक्रमों में न्यायालय की भूमिका
4. जनहित याचिका

Scanned by CamScanner

इकाई–V **परिवीक्षा एवं पैरोल**

1. दण्ड प्रक्रिया संहिता में प्रावधान
2. अपराधी परिवीक्षा अधिनियम 1958
3. परिवीक्षा एवं पैरोल – तुलना एवं महत्व

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –पंचम:अनिवार्य

लघुशोध प्रबंध

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) **उत्तीर्णांक–40**

परीक्षार्थी को विभागाध्यक्ष द्वारा निर्देशित विषय पर लघुशोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा। लघुशोध प्रबंध का मूल्यांकन बाह्य विशेषज्ञों के माध्यम से कराया जाएगा।

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner